

प्रेषक,

प्रदीप सिंह रावत,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निबन्धक,
सहकारी समितियां, उत्तराखण्ड।

सहकारिता अनुभाग-1

देहरादून, दिनांक 31, दिसम्बर, 2014

विषय:- जनपद चम्पावत में संचालित एकीकृत सहकारी विकास परियोजना हेतु वित्तीय वर्ष 2014-15 में वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-6731/नियो0/आई0सी0डी0पी0-चम्पावत/2014-15 दिनांक 08 दिसम्बर, 2014 तथा वित्त विभाग के पत्र संख्या-318/XXVII(1)/2014 दिनांक 18 मार्च, 2014 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि एकीकृत सहकारी विकास परियोजना, चम्पावत के क्रियान्वयन हेतु वित्तीय वर्ष 2014-15 में ₹1,88,82,400/- (रुपये एक करोड़ अठ्ठासी लाख बयासी हजार चार सौ मात्र) की धनराशि आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं। उक्त धनराशि की शत प्रतिशत प्रतिपूर्ति राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम द्वारा राज्य सरकार को की जाएगी तथा उक्त धनराशि आवश्यकतानुसार निबन्धक, सहकारी समितियां, उत्तराखण्ड द्वारा निर्दिष्ट कार्य में व्यय करने हेतु सम्बन्धित परियोजना को उपलब्ध करायी जायेगी। यह स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों के अधीन जारी की जा रही है:-

- (1) व्यय के संबंध में वित्त विभाग के पत्र दिनांक 18 मार्च, 2014 का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा स्वीकृत धनराशि के उपयोग की मदवार/लक्ष्यवार अद्यतन वित्तीय एवं भौतिक प्रगति से शासन को त्रैमासिक रूप से अवगत कराया जायेगा।
 - (2) स्वीकृत धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार किया जायेगा और यह सुनिश्चित किया जायेगा कि इस योजना के अन्तर्गत स्वीकृत सभी ऋणों की प्रतिपूर्ति हो जाए और उसे कौषागार के संगत लेखा शीर्षक के अन्तर्गत जमा करा दिया जाए।
 - (3) स्वीकृत धनराशि राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम द्वारा मूल रूप में स्वीकृत परियोजना में उल्लिखित शर्तों/मर्तों/लक्ष्यों के अनुसार व्यय की जायेगी।
 - (4) स्वीकृत धनराशि, निगम की परियोजना के अनुरूप राज्य सरकार द्वारा वर्तमान में व समय-समय पर निर्गत शर्तों के अनुरूप नियंत्रित होगी।
 - (5) स्वीकृत धनराशि का उपयोग अन्य प्रयोजन हेतु नहीं किया जाएगा। परियोजना का नियमानुसार लेखा परीक्षण, मुख्य लेखापरीक्षा अधिकारी द्वारा किया जायेगा तथा महालेखाकार, उत्तराखण्ड द्वारा भी किया जा सकता है।
 - (6) आवश्यक उपयोगिता प्रमाण-पत्र एवं इसकी सूचना यथासमय राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम को तथा राज्य सरकार को त्रैमासिक रूप से उपलब्ध करानी होगी और पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित होने के उपरान्त ही अवशेष धनराशि के उपयोग की कार्यवाही की जाएगी।
2. उक्त शर्तों का अनुपालन विभाग/परियोजना में तैनात वित्त नियंत्रक/लेखाधिकारी/सहायक लेखाधिकारी अथवा जैसी भी स्थिति हो, द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा।

(2)

3. उपर्युक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक में सहकारिता विभाग के अनुदान संख्या-18 के अन्तर्गत निम्नलिखित लेखाशीर्षक के नामे डाला जायेगा:-

अनुदान सं०-18

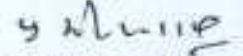
(घनराशि रु० में)

लेखाशीर्षक	स्वीकृत घनराशि
4425- सहकारिता पर पूंजीगत परिव्यय-आयोजनागत 00- 200-अन्य निवेश 03-समितियों की अंशपूजी में विनियोजन (राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम) 00- 30-निवेश/ऋण	1,01,80,900
8425-सहकारिता के लिए कर्ज-आयोजनागत 00- 800-अन्य कर्ज 04-एकीकृत सहकारी विकास योजना के अन्तर्गत ऋण (राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम द्वारा पोषित) 00- 30-निवेश/ऋण	87,01,500
योग-	1,88,82,400

4. ये आदेश वित्त विभाग के पत्र सं०-318/XXVII(1)/2014 दिनांक 18 मार्च, 2014 द्वारा दिए गए विस्तृत दिशा-निर्देशों के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-आई०डी० मूल में।

भवदीय,



(प्रदीप सिंह रावत)

अपर सचिव।

1523

संख्या:- (1)/XIV-1/2014, तददिनांकित।

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, ओबराँय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून, उत्तराखण्ड।
2. प्रबन्ध निदेशक, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम, 4-सीरी इन्स्टीट्यूशनल एरिया, हाँज खास, नई दिल्ली को उक्तानुसार अवमुक्त घनराशि की राज्य सरकार को प्रतिपूर्ति किए जाने सम्बन्धी अनुरोध सहित।
3. वित्त-4/नियोजन/भाषा अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
4. मण्डलायुक्त, कुमायूँ मण्डल, उत्तराखण्ड।
5. जिलाधिकारी, चम्पावत, उत्तराखण्ड।
6. जिला सहायक निबन्धक, चम्पावत, उत्तराखण्ड।
7. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, अल्मोड़ा, उत्तराखण्ड।
8. बजट निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. अर्थशास्त्री निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड।
10. प्रभारी मीडिया सेंटर, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड, देहरादून।
11. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,



(सुनील सिंह)

उप सचिव।